निबंध

प्लास्टिक के लाभ और हानि

SK Article

https://www.skarticle.com

प्लास्टिक के लाभ और हानि निबंध

परिचय

1. प्रस्तावना
2. प्लास्टिक से हानि
3. प्लास्टिक को कम करने के उपाय
4. प्लास्टिक के फायदे व गुण
5. निष्कर्ष

1 प्रस्तावना – प्लास्टिक आज हमारे पर्यावरण को काफी तेजी से हानी पंहुचा रहा है। प्लास्टिक उत्पादों से उत्पन्न कचरे का निपटान बहुत ही मुश्किल से होता है और निपटान होने में भी बहुत ही ज्यादा समय लगता है। आज हमारी धरती पर जितना भी प्रदुषण हो रहा है उसमे अहम भूमिका प्लास्टिक निभाता है।

जिसके कारण यह पुरे विश्व में एक वैश्विक समस्या का विषय बना हुआ है प्लास्टिक के सामान का अत्यधिक मात्रा में उपयोग के कारण इनमें काफी वृद्धि हुई है जिससे प्लास्टिक प्रदुषण जेसी भीषण समस्या उत्पन्न हो गयी है। आज इस समस्या को समज कर इसके समाधान का प्रयास करना चाहिए।

प्लास्टिक आज हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चूका है आज हर एक प्रकार की चीजो को रखने के प्लास्टिक वस्तुओ का प्रयोग हो रहा है जिसमे दूध , तेल , घी , आटा , चावल , दाल , कोल्ड्रिग , मसाले , शरबत , स्नेक्स , दवाईया , नुडल्स , आदि में हर प्रकार की चीजो में प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है आज सभी प्रकार की बाजार से खरीदकर लाने वाले सामान को प्लास्टिक की थेली में दिया जाता है जिसमे सब्जी का भी बहुत मात्रा में उपयोग किया जा रहा है।

आज के वर्तमान समय प्लास्टिक का जन्म दाता बी मनुष्य है पर इसके दुष परिणाम को प्रकृति को भी भुगतना पड़ रहा है प्लास्टिक कभी भी सड़ता – गलता नही है जिस कारण से पेड़ – पौधे को नुकसान पहुचता है।

2 प्लास्टिक से हानी - एक सर्वे के अनुसार यह जानकारी मिली है की भारत में रोज लगभग 17000 हजार टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है जिसमे से लगभग 10000 हजार टन प्लास्टिक को एक्रतित किया जाता है और बाकि को बैग , कुर्सी , प्लेट आदि के उपयोग होने के बाद कचरे में फेक दिया जाता है।

और यही कचरा हमारे मिट्टी , नदिया , नालो आदि को बहुत ही बुरी तरह से प्रभावित करता है। नदियों के प्रदुषण से समुन्द्र भी प्रदूषित होता है जिसके कारण जलीय जीव – जन्तु जैसे – मछलियां आदि की मृत्यू तक हो जाती है तथा उसके साथ की इधर – उधर फेका हुआ कचरा भी गाय , भेस आदि खा जाते है

जिसके कारण उनकी बहुत ही दयनीय रूप से मृत्यू होती है इसके अलावा पहाड़ या कोई मैदान सभी को किसी न किसी रूप में भारी नुकसान हो रहा है। प्लास्टिक एक जहरीला जहर है क्यों की प्लास्टिक को हम एक वरदान समझते है लेकिन प्लास्टिक हमारे लिए सुविधा नही अपितु एक जहर है।

3 प्लास्टिक को कम करने के उपाय – प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए स्वच्छ भारत जैसे अभियान से जुड़कर इन योजनाओ को पूर्ण रूप से सफल बनाने में हम सबको मदद करनी चाहिये इन सभी प्रयासों से ही भारत ही नही अपितु सम्पूर्ण विश्व को प्लास्टिक मुक्त बना सकेगे हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने भी वर्ष 2022 तक भारत को प्लास्टिक मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है

भारत सरकार के इस फेसले से प्लास्टिक वस्तुओ का उपयोग कम हो जायेगा जिसके लिए प्रधानमंत्री ने सभी निजी व शासकीय कम्पनियों से आग्रह भी किया है। भारत को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए हम सभी को कुछ बातो पर ध्यान देना पड़ेगा तभी यह संकल्प पूरा होगा जैसे -

- प्लास्टिक से बनी वस्तुओ का बहिष्कार करना चाहिए।

- प्लास्टिक बेग का उपयोग बिलकुल नी के बराबर करना चाहिए और बाजार से लाने वाले सामान के लिए कपड़े की थेली साथ में ले जानी चाहिए।
- सब्जी के लिए भी कपड़े या जुट का बेग का उपयोग करना चाहिए।
- घर में जरूरत वाली वस्तुओ में ज्यादातर स्टील की वस्तुओ को ज्यादा प्राथमिकता दे।
- प्लास्टिक में ऐसी प्लास्टिक के उपयोग करना चाहिए जो वापस से रिसाइकिल किया जा सके।
- प्लास्टिक से बनी ऐसी वस्तुओ का उपयोग कम करे जिसका उपयोग सिर्फ एक ही बार में किया जाता हो और उसके बाद उसको फेकना पड़े।
- प्लास्टिक के दुष्प्रभाव का प्रचार – प्रसार करना चाहिए जिससे इसकी जानकारी लोगो तक पहुचे व इसका उपयोग कम हो।
- प्लास्टिक के बारे में युवा वर्ग को आगे आना चाहिए तथा इसके लिए स्कुल , कालेज , आदि में इसके दुष्प्रभाव के बारे में समझाना चाहिये।
- प्लास्टिक को बहुत से राज्यों में बेन भी किया गया है व इसी प्रकार और भी राज्यों को इसमे साथ देना चाहिए।
- प्लास्टिक के रोकथाम के लिए सरकार को भी सख्ती के साथ रोक लगनी चाहिए।

5 प्लास्टिक के फायदे – प्लास्टिक का उपयोग कंप्यूटर , टेलीविजन , पेकिंग करने व परिवहन उधोग जैसी बहुत सी वस्तुओ को बनाने के लिए किया जाता है। यह हल्का , टिकाऊ , और आसानी से नये – नये आकार दिये जा सकते है। यह सबसे ज्यादा पानी की बोतल , कप आदि बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

6 प्लास्टिक गुण व उपयोग – गुण : विधुत व ऊष्मा के कुचालक होते है इसके साथ क्रिया शील नही होते है और ज्यादा ताप को सहन कर सकते है साथ ही प्लास्टिक हल्की होती है व सस्ती होती है इसलिए इसका उपयोग बहुत ज्यादा किया जाता है।

उपयोग : प्लास्टिक का उपयोग बिजली के तारो को विधुतरोधी बनाने में किया जाता है व रसोई घर की वस्तुओ के हेंडल के उपर प्लास्टिक का कवर चढ़ाया जाता है व खेती में सिचाई के साधन में पाईप आदि को बनाने , चिकित्सा उपकरणों जैसे सीरिज , आपरेशन के उपकरण , गोली – दवाईयों के कवर बनाने आदि में प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है।

7 निष्कर्ष - अत: सभी पहलुओ को देखते हुए यह कहा जा सकता है की आज प्लास्टिक कचरा के दुष्प्रभाव की विश्व स्तर की समस्या बनी हुई है। इसका परिणाम बहुत ही खतरनाक हो सकता है साथ ही साथ मनुष्यों के अलावा जीव – जन्तु तथा समुन्द्र में रहने वाले जलीय जंतु को इसका खतरा उठाना पड़ सकता है।

आज प्लास्टिक के निपटान की बहुत ज्यादा आवश्यकता है जिसका पुरे विश्व को मिल कर इसका सामना करना चाहिए तथा कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है।
प्लास्टिक को हटाना है ..... पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है।